ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

20-03-2026

कर्म करने के पहले यह निश्चय रखो कि विजय तो हमारी हुई पड़ी है। अनेक कल्प विजयी बने हैं। जब अनेक कल्प, अनेक बार विजयी बन विजय माला में पिरोने वाले, पूजन होने वाले बने हैं तो अब वही रिपीट करना है। बना हुआ कर्म दुबारा रिपीट करना है इस लिए कहा जाता है कि बना बनाया....। बना हआ है लेकिन अब फिर से रिपीट कर "बना बनाया'' जो कहावत है उसको पूरा करना है।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

Before you do anything, have the faith that your victory is already guaranteed and that you have been victorious over many cycles. Since you have been victorious over many cycles and have been threaded in the rosary of victory, then you just have to repeat that now. You simply have to repeat the actions that are predestined. This is why they are said to be predestined. They are predestined and you are now repeating them once again and fulfilling the saying, "Doing that which is predestined".